Roll No : .....

Total No. of Questions : **16**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AP–625

M.A. (Final) Examination, 2021

JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN AND YOGA

Paper - VIII

(Jain Agam and Jain Ethics)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 7 × 5 = 35)**

Note :– Answer any *five* questions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 7 × 5 = 35)**

नोट :– किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

Section–C **(Marks : 15 × 3 = 45)**

Note :– Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 15 × 3 = 45)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ) 2 each

1. Answer all the following questions :

   निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) Write any *five* characteristics of Soul.

   आत्मा के किन्हीं **पाँच** लक्षणों को लिखिए।

   (ii) Write the literal meaning of Akriyabad.

   अक्रियावाद का शाब्दिक अर्थ लिखिए।

   (iii) Who was the author of Samayasara and his time ?

   समयसार के लेखक और उनका समय कौनसा था ?

   (iv) Write the types of Naya.

   नय के प्रकार लिखिए।

   (v) What is the basis of receiving Namaskar Mahamantra ? Explain briefly.

   नमस्कार महामन्त्र की प्राप्ति का आधार क्या है ? संक्षेप में समझाइए।

   (vi) How many preceptors were greeted in the Namaskar Mahamantra ?

   नमस्कार महामंत्र में कितने गुरुओं को नमस्कार किया गया है ?

   (vii) Give the literal definition of Uttaradhyayan.

   उत्तराध्ययन की शाब्दिक व्याख्या कीजिए।

   (viii) Write the types of compassion.

   करुणा के प्रकार लिखिए।

   (ix) Who is called Mahavrat ?

   महाव्रत किसे कहते हैं ?

   (x) Write *six* essential qualities of Monk.

   साधु के **छः** आवश्यक मूलगुणों को लिखिए।

Section–B

(खण्ड–ब) 7 each

Unit–I

(इकाई–I)

2. What do you understand by Agyanvada ?

   अज्ञानवाद से आप क्या समझते हैं ?

3. Prove with cause of Rebirth.

   पुनर्जन्म की सतर्क सिद्धि कीजिए।

Unit–II

(इकाई–II)

4. Explain mentor-disciple relationship on the basis of Uttaradhyayan Sutra.

   गुरु-शिष्य के सम्बन्ध को उत्तराध्ययनसूत्र के आधार पर समझाइए।

5. Consider the nomenclature of Dashvaikalik Sutra and write its importance from the point of view of Sadhucharya.

   दशवैकालिक ग्रंथ के नामकरण पर विचार कीजिए एवं साधुचर्या की दृष्टि से उसका महत्व लिखिए।

Unit–III

(इकाई–III)

6. Explain the Manglacharan of Samayasar.

   समयसार के मंगलाचरण की व्याख्या कीजिए।

7. Throw light on Ajiva substance according to Samayasar.

   समयसार के अनुसार अजीवद्रव्य पर प्रकाश डालिए।

Unit–IV

(इकाई–IV)

8. Explain the social significance of Aparigraha Anuvrat.

   अपरिग्रह अणुव्रत का सामाजिक महत्व प्रतिपादित कीजिए।

9. Explain the concept of Jain ethics on the basis of Grahasthadharma (Householder).

जैन आचारशास्त्र की अवधारणा को ग्रहस्थधर्म के आधार पर समझाइए।

Unit–V

(इकाई–V)

10. Who is called the Parishah ? Write an essay on this.

परीषह किसे कहते हैं ? इस पर एक निबंध लिखिए।

11. What is meant by Samiti ? Throw light on its importance from the point of view of Shraman Dharma.

समिति से क्या तात्पर्य है ? श्रमण धर्म की दृष्टि से उसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

Section–C

(खण्ड–स) 15 each

12. Introduction to Acharang and write an essay on his Atmavad.

आचारांग का परिचय और उसके आत्मवाद पर एक निबंध लिखिए।

13. Define Dharma and explain it on the basis of Dashvaikalik Sutra.

धर्म को परिभाषित कीजिए एवं दशवैकालिक सूत्र के आधार उसकी व्याख्या कीजिए।

14. What do you mean by Naya ? Shed light on their types.

नय से आप क्या समझते हैं ? उनके भेदों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

15. Who is called Anuvrat ? Explain the concept of Ahimsa Anuvrat in Jainism.

अणुव्रत किसे कहते हैं ? जैन धर्म में अहिंसा अणुव्रत की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

16. Write an essay on Shramanacharya.

श्रमणचर्या पर एक निबंध लिखिए।